भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1262

11 फरवरी, 2025 को उत्तर के लिए

कुंभ मेले के लिए इस्पात का उपयोग

1262. श्री रमेश अवस्थी:

श्री कंवर सिंह तंवर:

श्री माधवनेनी रघुनंदन राव:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या मंत्रालय ने प्रयागराज में स्थायी अवसंरचना के निर्माण के लिए भारतीय इस्पात प्राधिकरण (सेल) के इस्पात का उपयोग करने पर विचार किया है ताकि भावी महाकुंभ मेले में अस्थायी ढांचों की आवश्यकता को कम किया जा सके;

(ख) देश में इस्पात क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय के दीर्घकालिक उद्देश्यों में उक्त पहल से किस प्रकार योगदान की संभावना है; और

(ग) क्या महाकुंभ मेले में संरचनाओं में इस्पात के उपयोग में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कोई उपाय कार्यान्वित किए जा रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क) से (ग): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और सरकार की भूमिका इस्पात उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत दिशा-निर्देश निर्धारित करके तथा देश में इस्पात उत्पादन, खपत को बढ़ावा देने तथा इस्पात क्षेत्र की दक्षता में सुधार के लिए अनुकूल वातावरण बनाने हेतु संस्थागत तंत्र/संरचना स्थापित करके इस्पात उद्योग को सुविधा प्रदान करना है। निजी अथवा राज्य सरकार क्षेत्र की संस्था के खरीद संबंधी निर्णयों में इस्पात मंत्रालय की कोई भूमिका नहीं है। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के पास उनके इस्पात संयंत्रों द्वारा उत्पादित कार्बन, मिश्र धातु और विशेष इस्पात उत्पादों के विपणन हेतु उत्तरदायी समर्पित विपणन व्यवस्था है। सेल ने प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुंभ मेला 2025 के लिए लगभग 45,000 टन के इस्पात की आपूर्ति की है जिसमें से अधिकांश की आपूर्ति ज्यादातर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम, विद्युत बोर्ड और उनके आपूर्तिकर्ताओं को की गई है।

*****